5 धरती को महकाएँ

W3J5Z9

इस काव्य में प्रकृति के तत्त्व फूल, सूरज, दीपक की बात कही गयी है। फूल हमेशा मुस्कुराता रहता है, सूरज रोज अपना प्रकाश फैलाने का कार्य करता रहता है और दीपक खुद जलकर जगत को रोशनी देता है। हमें भी किसी भी परिस्थिति में प्रसन्नता से अपना काम करना चाहिए और अपनी धरती को ज्यादा से ज्यादा सुंदर बनाने की कोशिश करनी चाहिए।

बगिया के फूलों को देखो,
कैसे खुश-खुश रहते हैं !
आँधी हो, पानी हो चाहे,
सबको हँस-हँस सहते हैं।
सूरज की किरणों को देखो,
रोज धरा पर आती हैं।
अंधकार को दूर भगाकर,
सारा जग चमकाती हैं।

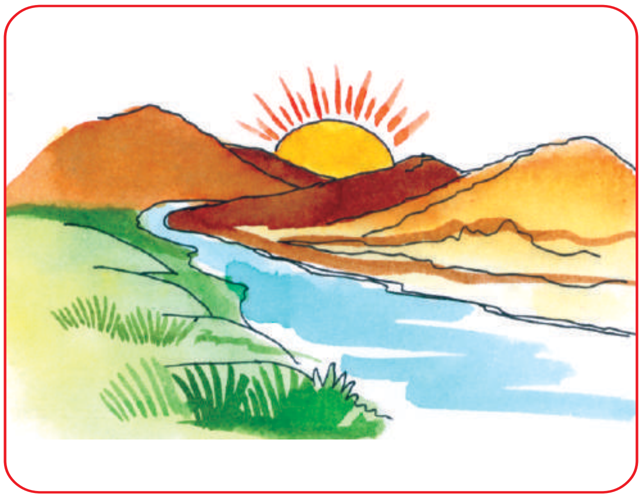

दीपक को देखो कैसे यह,
हरदम जलता रहता है !
अपना अंतर जला-जलाकर
रोशन जग को करता है।

आओ हम भी इंसां बनकर,
जग में अपना नाम कमाएँ।
अच्छे-सच्चे काम करें और
सारी धरती को महकाएँ।

शब्दार्थ

धरती भूमि **अँधकार** अँधेरा **दीपक** दीप **हरदम** हमेशा **महक** सुगंध **रोशन** उजाला **अंतर** हृदय, दिल

अभ्यास

1. इस काव्य को टेपरिकार्डर द्वारा सुनिए और सामूहिक तथा व्यक्तिगत गान करवाइए।

2. अंदाज अपना-अपना

(1) यदि सूरज न निकलता तो...

(2) यदि बगीचे में पेड़ चलते होते तो...

(3) यदि दीपक बोलता तो...

(4) यदि पेड़ - पौधे न होते तो...

3. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) आपके आसपास में कौन-कौन से फूल दिखाई देते हैं?

(2) प्रकृति के तत्त्व कौन-कौन से हैं ?

(3) प्रकृति से हमें क्या-क्या मिलता हैं ?

4. जोड़ मिलाइए :

(नाम)		**(काम)**
फूल	=	अच्छे-अच्छे काम करना
सूरज	=	अँधेरा हरना
दीपक	=	खुशबू देना
मानव	=	गर्मी देना

5. (अ) नीचे दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द कविता में से ढूँढ़कर वाक्य प्रयोग कीजिए :

शब्द	समानार्थी	वाक्य
पुष्प	फूल	मुझे फूल पसंद हैं।
रवि		
भूमि		
मानव		
दीया		

(ब) चित्र के आधार पर पाँच - छ : वाक्य लिखिए :

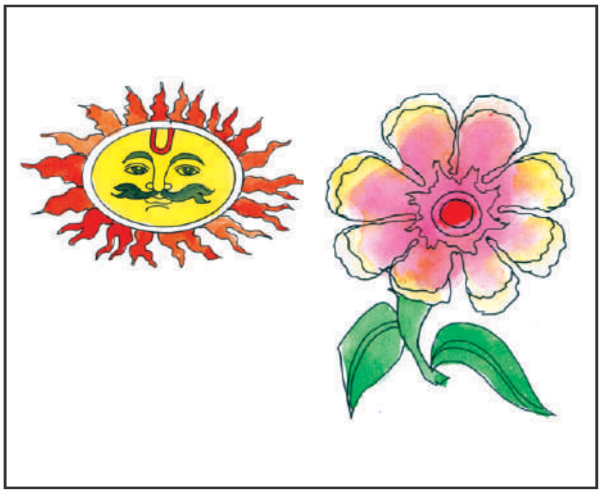

6. नीचे दिए गए शब्दों में से उचित सर्वनाम चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(आप, कोई, नई, गति, क्या, पानी, अपना, कुछ)

(1) तुम्हारा नाम ____________ है ?

(2) देखो तो ____________ इधर ही आ रहा है।

(3) खाने के लिए ____________ तो दे दो। बहुत भूख लगी है।

(4) मैंने ____________ काम पूरा कर दिया।

(5) ____________ कहाँ जा रहे हैं ?

7. ऊँची आवाज़ में पढ़िए और समझिए :

प्रमाण	ग्रहण	ट्रेन	राजेन्द्र
सूक्ष्म	ड्रामा	श्रमिक	कवयित्री
कार्यक्रम	शृंगार	शरत्चंद्र	श्रेष्ठ

Y8P7A6

स्वाध्याय

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) फूलों से हमें क्या सीख मिलती है ?

(2) सूरज की किरणें क्या करती हैं ?

(3) दीपक जग को कैसे रोशन करता है ?

(4) धरती को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए आप क्या करेंगे ?

(5) जग में नाम कमाने के लिए हमें क्या करना चाहिए ?

2. आप की कल्पना में.....

जब आप किसी वस्तु का नाम लेते हैं तो उसकी तस्वीर आपके सामने आ जाती है। ज़रा सोचें तो उससे संबंधित और चित्र भी मस्तिष्क में उभरने लगते हैं। उदाहरण के तौर पर घेरे के भीतर फूल शब्द का नाम लेते ही पंखुड़ियों में लिखे भाव सामने आने लगते हैं। आप इसी तरह अन्य घेरे में लिखे गए शब्द संबंधी अन्य शब्द सोचकर पंखुडियों में लिखें।

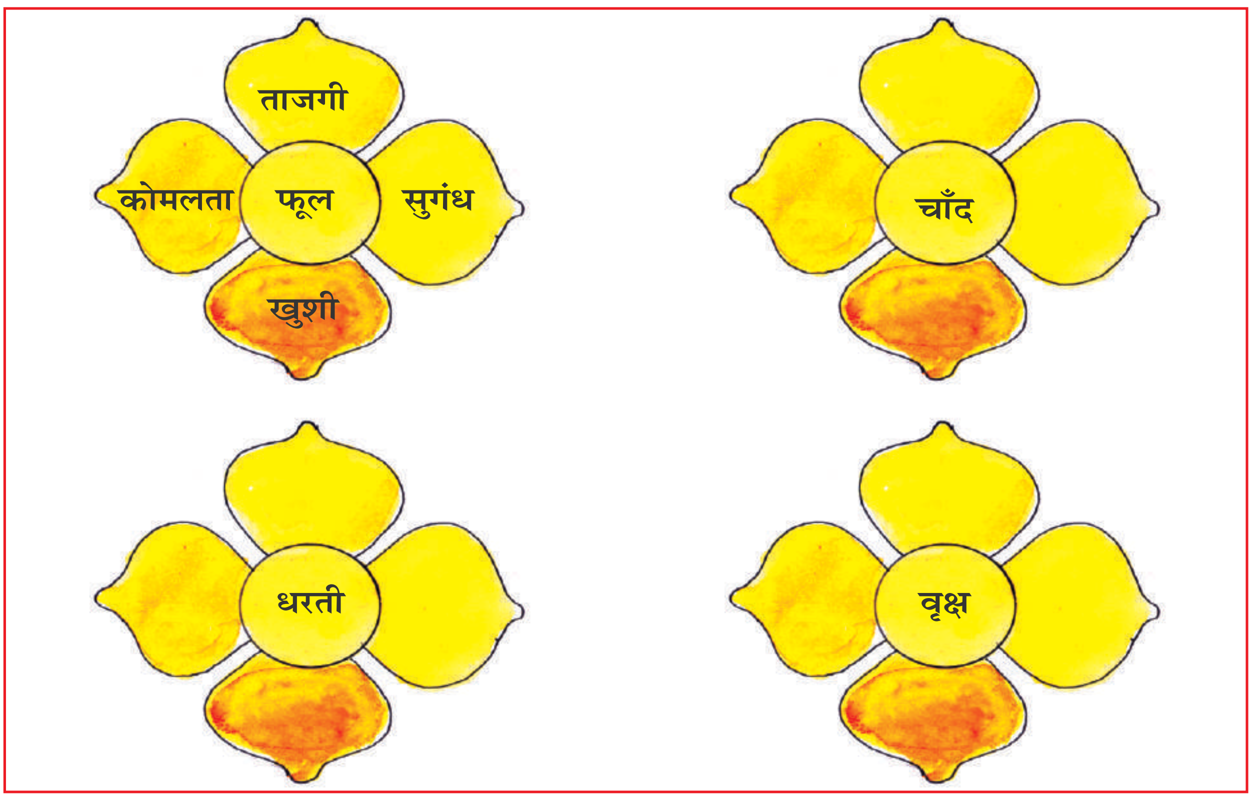

3. समान प्रासवाले शब्द पढ़िए और बोलिए :

उदाहरण :
- मानवीय, मानवता, महानता, सज्जनता, समानता
- लंबाई, चौड़ाई, गहराई, पढ़ाई, लिखाई
- चाचा, दादा, नाना, मामा, बेटा

4. निम्नलिखित शब्दों का वचन परिवर्तन करके वाक्य में प्रयोग कीजिए :

उदाहरण : लड़का – लड़के

वाक्य : पाठशाला के सभी **लड़के** प्रार्थना में नियमित हैं।

(1) पंखा (2) आँख (3) किताब (4) पौधा (5) पेन्सिल

5. काव्य पंक्तियों को पढ़कर उनका भावार्थ लिखिए :

दीपक को देखो कैसे यह,
हरदम जलता रहता है।
अपना अंतर जला-जलाकर
रोशन जग को करता है।
आओ हम भी इंसा बनकर
जग में अपना नाम कमाएँ।
अच्छे – सच्चे काम करें और,
सारी धरती को महकाएँ।

इतना जानिए

- **दिए गए संकेतों के संबंध में जानकारी प्राप्त कीजिए :**

पाठशाला

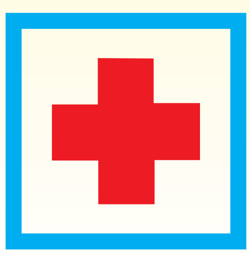
चिकित्सा सेवा

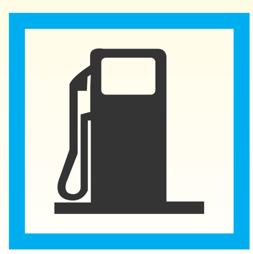
पेट्रोल पंप

सार्वजनिक टेलीफोन

योग्यता-विस्तार

- ऐसे अन्य प्रकृति संबंधी काव्यों का बच्चों से संकलन करवाकर गान करवाएँ।
- तकनीकी साधनों का उपयोग करके छात्रों को काव्यों का श्रवण-अभ्यास करवाएँ।